भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 974
03 दिसंबर, 2021 को उत्तर के लिए

एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली

974 .श्री असादुद्दीन ओवैसी:

क्या. रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्ष 2018 में एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली के लिए रूस के साथ 40,000 करोड़ रुपयों का करार किया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या संयुक्त राज्य अमेरिका ने वर्ष 2017 में अन्य देशों को रूसी हथियार खरीदने से रोकने के लिए काउंटरिंग अमेरिकाज़ एडवर्सरीज़ थ्रू सेंक्शंस एक्ट अधिनियमित किया था;

(ग) यदि हां, तो क्या रूस से पहले स्क्वाड्रन की डिलीवरी शुरू हो गई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) भारत को सभी स्क्वाड्रन कब तक मिलने की संभावना है; और

(च) भारत के साथ इस सौदे पर संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिक्रिया क्या है और भारतीय रक्षा प्रणाली को एस-400 मिसाइल प्रणाली के शामिल होने के बाद कितना बढ़ावा मिलने की संभावना है?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क): रूस से एस-400 प्रणाली की सुपुर्दगी के लिए एक संविदा पर 05 अक्तूबर, 2018 को हस्ताक्षर किए गए हैं।

(ख) से (ड.): सरकार उन सभी घटनाक्रमों से अवगत है जो रक्षा उपस्करों की अधिप्राप्ति को प्रभावित कर सकते हैं। सरकार सुरक्षा चुनौतियों के समूचे परिदृश्य का सामना करने के लिए सशस्त्र सेनाओं को तैयारी की स्थिति में बनाए रखने हेतु खतरे की आशंका, संक्रियात्मक एवं प्रौद्योगिकीय पहलुओं के आधार पर सर्वोत्तम निर्णय लेती है। सुपुर्दगियां संविदागत समय-सीमा के अनुसार हैं।

(च): एस-400 मिसाइल अत्यंत विशाल क्षेत्र में निरन्तर और प्रभावी हवाई रक्षा प्रणाली प्रदान करने के लिए अपनी संक्रियात्मक क्षमता के अनुरूप एक सक्षम प्रणाली है। इस प्रणाली को सम्मिलित करने से राष्ट्र की हवाई रक्षा क्षमता में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि होगी ।

******